जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 293 प्रभात कोटा, बुधवार 6 अगस्त, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बार-बार ब्याज दर घटाने के बाद भी बाज़ार में डिमांड क्यों नहीं बढ़ रही है

'जेब में पैसा होना ही पर्याप्त नहीं है, खरीददारी करने के लिए उपभोक्ता में इच्छा होना भी जरुरी है'

- रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा, ब्याज दर में कटौती कोई ''जादू की छड़ी'' नहीं है, अगर बाज़ार की दशा सुधारनी है तो इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर स्किल तक हर स्तर पर गहन सुधार करने होंगे।
- खुदरा बाज़ार में महँगाई 6 साल में सबसे कम स्तर पर है, पर, यह खुशी की बात नहीं है, क्योंकि बाज़ार ठप्प है, खासकर रियल एस्टेट और ऑटोमोबाइल सैक्टर में भारी मंदी है। इस वर्ष जून में कारों की बिक्री 18 माह में न्यूनतम स्तर पर रही है, बड़े शहरों में जमीनों की खरीद फरोख्त में भारी कमी आई है।
- इसका संकेत साफ है, माँग कमज़ोर है और इतनी कमज़ोर है कि सिर्फ ब्याज दर में कटौती से कुछ नहीं होगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में लगातार कटौतियों के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि सस्ता ऋण धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा, लेकिन इसके बावजूद समग्र आर्थिक परिदृश्य और अधिक धुंधला होता जा रहा है, जबकि महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे आरबीआई को कुछ हद तक निर्णय लेने की गुंजाइश मिली है, फिर भी अपेक्षित आर्थिक वृद्धि सामने नहीं आई है। मॉनेटरी ईज़िंग और वास्तविक आर्थिक परिणामों के बीच यह असम्बद्धता सवाल खड़े कर रही है कि क्या आरबीआई अब अपनी हद तक पहुंच चुकी है, जहाँ वह अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकती।

भारत की खुदरा महंगाई दर घटकर छह साल के निचले स्तर लगभग 2.1-2.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिसका प्रमुख कारण कमजोर मांग और कोर मूल्यों में गिरावट है। लेकिन यह जश्न मनाने का कारण नहीं है। वे क्षेत्र, जो उपभोक्ता भावनाओं पर सबसे अधिक निर्भर करते हैं, जैसे ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट, अभी भी संघर्ष कर रहे हैं। जून में कार बिक्री 18 महीनों के निचले स्तर पर आ गई और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में प्रमुख शहरों में संपत्ति लेन-देन में भारी गिरावट दर्ज की गई। संदेश साफ है: मांग कमजोर है, और केवल दरों में कटौती से इसे पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता।

चिंता की एक और बात यह है कि पॉलिसी दरों में गिरावट के बावजूद, व्यावसायिक बैंक ऋण देने में हिचक रहे हैं। खुदरा ऋण वृद्धि में भारी गिरावट देखी गई है, विशेष रूप से क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण जैसे क्षेत्रों में, जहां बकाया राशि तेजी से बढ़ रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट कार्ड पर 90 दिनों की बकाया राशि जून 2025 तक साल-दर-साल दोगुनी होकर 338 अरब हो गई है। जोखिम बढ़ने के चलते बैंक अपने मानदंडों को सख्त बना रहे हैं, जिससे सस्ता फंड भी लोगों और व्यवसायों तक नहीं पहुंच पा रहा।

जहाँ दरों में कटौती लागू भी की गई है, वहाँ भी आम उपभोक्ताओं और व्यवसायों तक इसका असर पहुंचने में समय लग रहा है। फरवरी से आरबीआई ने रेपो रेट में 100 बेसिस पॉइन्ट की और कैश रिजर्व रेशियो (सीआरआर) में भी 100 बेसिस पाइन्ट्स की कटौती की है, लेकिन बैंकों के माध्यम से इसका प्रभाव आंशिक ही रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती संरचनात्मक बाधाओं-जैसे धीमी अवसंरचना प्रगति, जटिल विनियमन और कमजोर सरकारी खर्च को दूर नहीं कर सकती, जो व्यावसायिक विश्वास पर असर डालते हैं।

बाहरी चुनौतियाँ भी इस स्थिति को और बिगाड़ रही हैं। वैश्विक मांग कमजोर है, और अमेरिका द्वारा लगाए गए नए शुल्क जैसे भू-राजनीतिक दबावों ने भारत के निर्यात को प्रभावित किया है। इसके साथ ही, भारत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। बिहार और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और मशहूर किसान नेता सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे।

सोशल मीडिया एक्स पर दी गई जानकारी के अनुसार, उन्हें गत 11 मई को अस्पताल में संक्रमण की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। किडनी की समस्या के कारण उनकी अस्पताल में डायलिसिस की जाती थी।

- गत 11 मई से वे संक्रमण की शिकायत के कारण अस्पताल में भर्ती थे।

उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''सत्यपाल मलिक जी के निधन से दुःखी हूँ। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओमशांति।''

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने शोक संदेश में कहा कि लोग उन्हें हमेशा ऐसे इंसान के रुप में याद रखेंगे, जो आखिरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव तथा आप प्रमुख अरविन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर क्यों भतीजे को लोकसभा में पार्टी का नेता बनाया ममता ने?

चर्चा है कि भतीजे अभिषेक की बढ़ती महत्वाकांक्षा के कारण ममता को उन्हें यह पद देना पड़ा है

- तृणमूल में अभिषेक का दबदबा निरंतर बढ़ रहा है, यही नहीं, कल्याण बनर्जी और कुणाल घोष जैसे नेता तो खुलेआम कह रहे हैं कि अभिषेक को पार्टी नेतृत्व सौंप दिया जाए और विधानसभा चुनाव में वे पार्टी की रणनीति व टिकट वितरण तय करें।
- अभिषेक बनर्जी अक्सर पार्टी के बुजुर्ग नेताओं को रिटायर करने की बात करते रहते हैं, लेकिन ममता बनर्जी, जो खुद 70 साल की हो चुकी हैं, ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। वे पार्टी के बुजुर्ग नेताओं को भी साथ रखना चाहती हैं।
- हालांकि, अभिषेक पर दबाव बनाने के लिए ममता बनर्जी ने उनके समर्थक कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप पद से हटा दिया।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी के संसदीय दल में चल रहे आपसी झगड़ों को खत्म करने और अनुशासन लाने की कोशिश शुरू कर दी है, लेकिन पार्टी के भीतर का संघर्ष अभी खत्म होता नहीं दिख रहा है।

हाल की घटनाएं तृणमूल कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक (व्हिप) कल्याण बनर्जी ने इस्तीफा दे दिया है और उनकी जगह काकोली घोष दस्तीदार को नियुक्त किया गया है। इससे जुड़ी एक और अहम बात यह है कि ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में पार्टी नेता और अभिनेत्री से नेता बनीं शताब्दी रॉय को उपनेता नामित किया है।

ये बदलाव देखने में तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संसदीय दल में परिवर्तन के कदम लग सकते हैं, लेकिन मामला इतना सीधा नहीं है।

कल्याण बनर्जी ने यह इस्तीफा इसलिए दिया, क्योंकि उन्हें एक पुराने विवाद में महुआ मोइत्रा के खिलाफ ममता बनर्जी का समर्थन नहीं मिला। यह विवाद तब और बढ़ गया, जब महुआ मोइत्रा ने एक पॉडकास्ट में उन्हें ''सुअर'', ''महिला विरोधी'' और ''यौन कुंठित'' कहा।

कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा के बीच का यह झगड़ा काफी पुराना है। जून में कल्याण ने महुआ पर बीजेडी के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा का 40 साल पुराना वैवाहिक जीवन तोड़ने का आरोप लगाते हुए, उन्हें ''महिला विरोधी'' बताया था। जब महुआ ने पिनाकी से शादी की, तो कल्याण ने कहा कि डेढ़ महीने लम्बे ''हनीमून से लौटकर मुझे उकसा रही हैं।'' अप्रैल में चुनाव आयोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस ने ट्रंप की भारत को दी गई टैरिफ धमकी को गैर वाजिब, गैर कानूनी और अनैतिक करार दिया

रूस ने कहा, सभी संप्रभु देशों को अपना ट्रेडिंग पार्टनर चुनने का पूर्ण अधिकार है

- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को धमकी दी है कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखी तो उसका टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका 25 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लगा चुका है।
- अमेरिका की धमकियों के बीच भारत से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मॉस्को भेजा जा रहा है।
- रूस के राष्ट्रपति पुतिन का भी, द्विपक्षीय शिखर वार्ता के लिए भारत आने का कार्यक्रम है।
- इसी बीच पता चला है कि अमेरिका की धमकियों के बीच रूस ने भारत के लिए कच्चे तेल की कीमतों में कमी करने के संकेत दिए हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। एक ओर मोदी सरकार ने जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मॉस्को भेजने का निर्णय लिया है, वहीं रूस ने अपने पुराने मित्र भारत का पक्ष लेते हुए अमेरिका पर ''गैरकानूनी'' व्यापारिक दबाव डालने का आरोप लगाया है। रूस ने यह कदम उस वक्त उठाया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दोहराई।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, ''हमें कई ऐसे बयान सुनाई दे रहे हैं, जो वास्तव में धमकी हैं, देशों को रूस के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने के प्रयास हैं। हम ऐसे बयानों को वैध नहीं मानते।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कावड़ यात्रा में भगदड़ से दो महिलाओं की मौत

सीहोर, 05 अगस्त। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें जहां घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं की हालत काफी गंभीर है। बता दें, कुबेरेश्वर धाम को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के लिए जाना जाता है। दरअसल, 6 अगस्त को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में कांवड़ यात्रा निकाली जानी है। यात्रा से पहले सीवना नदी घाट से कुबेश्वर धाम तक भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हालात ये हैं कि इंदौर-भोपाल हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई है। इसी बीच कुबेरेश्वर

- कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा निकाली गई कावड़ यात्रा में भक्तों की अत्यधिक भीड़ उमड़ी और भगदड़ मच गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को धमकाने वाले ट्रंप चीन पर चुप हैं, चीन ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब देता है

चीन ही नहीं, प्रमुख अर्थशास्त्री भी मानते हैं, ट्रंप धमकी देते हैं और हमेशा पीछे हट जाते हैं (ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट)

- ट्रंप ने चीन को भी टैरिफ वृद्धि की धमकी दी, पर, जैसे ही चीन ने ''रेअर अर्थ मैग्नेट'' की आपूर्ति रोकने की धमकी दी, ट्रंप ने चीन का उल्लेख करना ही छोड़ दिया।
- यही नहीं, वे यूरोप के देशों पर भी मौन ही रहते हैं, जो गैस आपूर्ति के लिए पूरी तरह से रूस पर आश्रित हैं। खुद अमेरिका भी रूस से काफी आयात करता है।

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 5 अगस्त। जब भारत ने रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करना जारी रखा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उस पर ज़ोरदार हमला बोला। लेकिन चीन द्वारा इससे भी अधिक मात्रा में रूसी तेल आयात करने पर उन्होंने एक शब्द तक नहीं कहा है।

ऐसा इसलिए क्योंकि चीन ने भी उस भाषा का प्रयोग किया जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति बेहतर समझते हैं, ''दादागिरी''। ट्रंप की प्रतिक्रियाएं, ट्रंप को लेकर वॉल स्ट्रीट और चीन की परिभाषा को सही साबित करती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपनी उस छवि पर खरे उतरे हैं जिसे ''टाको'' (टी.ए.सी.ए.) कहा जाता है, अर्थात् ''ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट'' (ट्रंप हमेशा पीछे हट जाते हैं)।

जब ट्रंप ने चीन पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दी, तो चीन ने जवाब में अमेरिका को दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट्स की आपूर्ति रोकने की धमकी दी। जब ट्रंप को इन खतरों का असर समझ आया, तो वे तुरंत पीछे हट गए और चीनी सामानों पर टैरिफ कम कर दिया। भारत के मामले में ट्रंप ने ज्यादा टकराव का रुख अपनाया। एक अमेरिकी समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर भारत ने रूस से तेल आयात तुरंत नहीं रोका, तो वे भारतीय निर्यात पर एक दिन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत पर 24 घंटे में और टैरिफ बढ़ाऊंगा'

नई दिल्ली, 05 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से भारत को धमकी देते हुए कहा कि वह टैरिफ में भारी वृद्धि करेंगे। उन्होंने मंगलवार को कहा, ''भारत, रूस से सामान खरीद रहा है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को एक और धमकी दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड में पीड़ितों की मदद में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी - मोदी

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित लोगों के कुशलक्षेम की कामना भी की है।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया। मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा,उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। शाह ने कहा है कि उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात कर घटना की जानकारी ली है। आईटीबीपी की निकटतम तीन टीमों को वहाँ भेज दिया गया है, साथ ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार टीमें भी घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गई हैं, जो शीघ्र पहुँच कर बचाव कार्य में मदद करेंगी।

- अमित शाह ने आईटीबीपी की तीन टीम तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार टीम घटनास्थल पर भेजीं।

उत्तरकाशी में बादल फटा, मात्र 34 सैंकेड में सैंकड़ों घर और होटल मलबे में बदले

सेना के 8-10 जवान सहित, अभी तक 50 से ज्यादा लोग लापता

- मंगलवार दोपहर 2 बजे धराली में बादल फटा, जो कि गंगोत्री जाने के रास्ते का प्रमुख पड़ाव है। बादल फटते ही खीर गंगा नदी तुरंत उफान पर आ गई और उसके बहाव में सैंकड़ों घर, होटल आदि बह गए।
- प्रशासन ने राहत कार्य शुरु कर दिए हैं, इसमें वायु सेना की भी मदद ली गई है।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे पर गहरा दुख जताया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार, 5 अगस्त को इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक बादल फटने की घटना हुई, जिसने भारी तबाही मचाई। यह हादसा गंगोत्री धाम की ओर जाने वाले मार्ग के एक प्रमुख पड़ाव धराली में हुआ, जिससे खीर गंगा नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गई।

इस बाढ़ में लगभग 20 से 25 होटल और होमस्टे पूरी तरह तबाह हो गए। हर्षिल क्षेत्र में सेना के एक बेस को भी भारी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर नुकसान के समाचार मिले हैं। बहुत से होटल और मकान मलबे में दब गए हैं और कई लोगों के लापता होने की आशंका है।

उत्तराखंड के धाराली गांव में हुए भूस्खलन के वीडियो से दो फोटोएं निकाली गईं हैं, जो इस भूस्खलन से हुए भारी विध्वंस को दर्शाती हैं।

हालांकि अभी तक मृतकों और लापता लोगों की आधिकारिक संख्या सामने नहीं आई है, लेकिन अपुष्ट खबरों के मुताबिक करीब 4 लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में होटल कर्मी व मजदूर लापता हैं। स्थानीय लोगों द्वारा साझा किए गए वीडियोज़ में देखा जा सकता है कि धराली के कई होटल और मकान तिनकों की तरह बह गए। एक स्थानीय निवासी ने प्रारम्भिक रिपोर्टों के आधार पर बताया कि हर्षिल के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटने के बाद आई तेज बाढ़ में शहर के कम से कम 20 निवासी बह गए।

अधिकारियों का कहना है कि जान-माल का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। इस आपदा की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके के लिए रवाना कर दिए गए हैं।

मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे धराली कस्बे के पास बादल फटा, जिससे खीर गंगा में अचानक बाढ़ आ गई। किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। यह दिल दहला देने वाली बाढ़ पल भर में सब कुछ बहा ले गई।

बाढ़ को देखकर, कई ग्रामीणों ने शोर मचाकर और सीटी बजाकर लोगों को सतर्क किया। वहीं, आपातकालीन कार्यवाही केन्द्र (इमर्जेंसी ऑपरेशंस सेन्टर) से मिली जानकारी के अनुसार,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे -राहुल-प्रियंका ने धराली के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली में आज बादल फटने की घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना वयक्त की है। खरगे ने सोशल मीडिए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''उत्तराखंड के धराली (उत्तरकाशी) में बादल फटने से हुई तबाही वाकई दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस भयानक त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। लापता लोगों के सुरक्षित लौटने की कामना करता हूँ। कांग्रेस के साथियों से अपील है कि वे राहत और बचाव कार्य में हरसंभव मदद करें।

- उन्होंने सरकार से बचाव कार्यों में और तेजी लाने की अपा

राहुल गांधी ने कहा धराली में बादल फटने से आई भारी तबाही के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य के लापता होने की खबर बेहद दुखद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)